उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:254 | देहरादून, शनिवार, 18 सितंबर, 2021 | पृष्ठ:08 | मूल्य:2/रु. प्रति

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर होगा शोध कार्य

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग में आशुतोष मुखर्जी फेलो के अंतर्गत डॉ अरविंद कुमार सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध कार्य करेंगे जिससे कि मृदा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी जो कि कुपोषण को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी यह फेलोशिप डॉक्टर सक्सेना को अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान कोलकाता के द्वारा उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की गई है इसके पूर्व डॉ सक्सेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के कानपुर स्थित प्रयोगशाला के डी एम एस आर डी ई से निदेशक एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक के पद से वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हुए हैं डॉक्टर सक्सेना ने वर्ष 2015 से 2018 तक निदेशक, सामान्य विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में भी कार्य किया है डॉ अरविंद कुमार सक्सेना अपने अनुभवों से शोध छात्र-छात्राओं को भी लाभान्वित करेंगे उनके अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नल्स में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 50 से भी अधिक डिफेंस रिलेटेड टेक्नोलॉजी का पेटेंट भी कराए हैं और उन्होंने 20 से अधिक तकनीकों को विभिन्न इंडस्ट्रीज को दी हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है इसी प्रकार से अन्य तकनीकियों पर शोध कार्य होंगे जिससे किसान आत्मनिर्भर बन अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकेंगे।

अमर उजाला

रविवार • 19.09.2021 05

kanpur.amarujala.com

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध करेंगे डॉ. अरविंद

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध करेंगे। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स को मिट्टी में मिलाने पर पौधे में पोषक तत्वों की पूर्ति होगी, जिससे पौधे की वृद्धि ठीक ढंग से हो सकेगी। डॉ. सक्सेना को अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान कोलकाता ने उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर फेलोशिप दी है। इसके पहले डॉ. सक्सेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की कानपुर स्थित प्रयोगशाला के निदेशक पद से 2015 में सेवानिवृत्त हुए थे। इनके सबसे ज्यादा शोध विभिन्न जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 50 से ज्यादा डिफेंस रिलेटेड टेक्नोलॉजी का पेटेंट इन्होंने कराया है। (संवाद)

हिन्दुस्तान

कानपुर • रविवार • 19 सितंबर 2021 8

डीएमएसआरडीई के पूर्व निदेशक करेंगे शोध

कानपुर। डीआरडीओ की कानपुर स्थित इकाई डीएमएसआरडीई के पूर्व निदेशक और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना सीएसए के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग में शोध करेंगे। वह यहां आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप के अन्तर्गत अपने शोध कार्यों को अंजाम देंगे। डॉ. सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध कार्य करेंगे।

वर्ष 15 अंक 257 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 19 सितंबर 2021

कानपुर व ओरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8

मनोज बाजपेयी के पिता की हालत गंभीर, ि

सीएसए में होगा बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग में आशुतोष मुखर्जी फेलो के अंतर्गत डॉ अरविंद कुमार सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध कार्य करेंगे । जिससे कि मृदा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी जो कि कुपोषण को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी। यह फेलोशिप डॉक्टर सक्सेना को अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान कोलकाता के द्वारा उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की गई है। इसके पूर्व डॉ सक्सेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के कानपुर स्थित प्रयोगशाला के डी एम एस आर डी ई से निदेशक एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक के पद से वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हुए हैं। डॉक्टर सक्सेना ने वर्ष 2015 से 2018 तक निदेशक,सामान्य विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में भी कार्य किया है। डॉ अरविंद कुमार सक्सेना अपने अनुभवों से शोध छात्र-छात्राओं को भी लाभान्वित करेंगे।उनके अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नल्स में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 50 से भी अधिक डिफेंस रिलेटेड टेक्नोलॉजी का पेटेंट भी कराए हैं। और उन्होंने 20 से अधिक तकनीकों को विभिन्न इंडस्ट्रीज को दी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इसी प्रकार से अन्य तकनीकियों पर शोध कार्य होंगे। जिससे किसान आत्मनिर्भर बन अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकेंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

हिन्दी दैनिक **राष्ट्रीय अवतार**
उ०प्र०, उत्तरांचल, बिहार एवं दिल्ली में प्रसारित
लखनऊ, कुशीनगर, सन्तकबीरनगर एवं फिरोजाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार एवं उ०प्र० सरकार से मान्यता प्राप्त
: 18 अंक : 34 हिन्दी दैनिक, पडरौना (कुशीनगर) रविवार, 19 सितम्बर, 2021 R.N.I.No. UPHIN/2004/16012 पृष्ठ : 4 मूल्य : दो रूपये (2

सीएसए में होगा बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध

राष्ट्रीय अवतार न्यूज़

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग में आशुतोष मुखर्जी फेलो के अंतर्गत डॉ अरविंद कुमार सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध कार्य करेंगे । जिससे कि मृदा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी जो कि कुपोषण को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी। यह फेलोशिप डॉक्टर सक्सेना को अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान कोलकाता के द्वारा उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की गई है। इसके पूर्व डॉ सक्सेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के कानपुर स्थित प्रयोगशाला के डी एम एस आर डी ई से निदेशक एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक के पद से वर्ष २०१५ में सेवानिवृत्त हुए हैं। डॉक्टर सक्सेना ने वर्ष २०१५ से २०१८ तक निदेशक, सामान्य विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में भी कार्य किया है। डॉ अरविंद कुमार सक्सेना अपने अनुभवों से शोध छात्र-छात्राओं को भी लाभान्वित करेंगे।उनके अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नल्स में १०० से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ५० से भी अधिक डिफेंस रिलेटेड टेक्नोलॉजी का पेटेंट भी कराए हैं। और उन्होंने २० से अधिक तकनीकों को विभिन्न इंडस्ट्रीज को दी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इसी प्रकार से अन्य तकनीकियों पर शोध कार्य होंगे। जिससे किसान आत्मनिर्भर बन अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकेंगे।

ही है कोरम

का निस्तारण

निराश

जन एक्सप्रेस
/janexpresslive
लखनऊ, रविवार, 19 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 331, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹3.00/-
लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

डॉ. अरविंद कुमार बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रो न्यूट्रिएंट्स पर करेगें शोध

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। मृदा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में वृद्धि करने तथा कुपोषण को दूर करने के लिए सीएसएयू के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग में आशुतोष मुखर्जी फेलो के अंतर्गत डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर आधारित माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पर शोध कार्य करेंगे । यह फेलोशिप डॉक्टर सक्सेना को अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान कोलकाता द्वारा उनकी उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर दी गई है। इसके पूर्व डॉ. सक्सेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के कानपुर स्थित प्रयोगशाला के डी एम एस आर डी ई से निदेशक एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक के पद से वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हुए हैं। डॉ सक्सेना ने वर्ष 2015 से 2018 तक निदेशक, सामान्य विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में भी कार्य किया है। उनके अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नल्स में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 50 से अधिक डिफेंस रिलेटेड टेक्नोलॉजी का पेटेंट भी कराए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इसी प्रकार से अन्य तकनीकियों पर शोध कार्य होंगे। जिससे किसान आत्मनिर्भर बन अपनी आय में बढ़ोत्तरी कर सकेंगे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र
जनमत टुडे

वर्षः12 | अंकः254 | देहरादून, शनिवार, 18 सितंबर, 2021 | पृष्ठः08 | मूल्यः2/रु. प्रति

कृषि विश्वविद्यालय में 30 सितंबर तक होगा हिंदी पखवाड़े का आयोजन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में खाद्य एवं पोषण विभाग में दिनांक 16 सितंबर 2021 से 30 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसका उदघाटन कुलपति द्वारा दिनांक 16 सितंबर को किया गया एवं दिनांक 17 सितंबर को आलेख लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ० वेद रतन, डॉ विनीता सिंह प्रभारी हिंदी भाषा, डॉ रश्मि सिंह, डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ अर्चना सिंह, डॉ० संगीता गुप्ता एवं रेनू सहित अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।

वर्ष 15 अंक 257 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 19 सितंबर 2021
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
www.nagarchhaya.com पेज -8

मनोज बाजपेयी के पिता की हालत गंभीर, दि

कृषि विश्वविद्यालय में हो रहा हिंदी पखवाड़े का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में खाद्य एवं पोषण विभाग में दिनांक 16 सितंबर 2021 से 30 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 16 सितंबर को किया गया एवं दिनांक 17 सितंबर को आलेख लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं,शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर वेद रतन, डॉ विनीता सिंह प्रभारी हिंदी भाषा, डॉ रश्मि सिंह,डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ अर्चना सिंह,डॉक्टर संगीता गुप्ता एवं श्रीमती रेनू सहित अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।